राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 07, अंक 163 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये

रायपुर, रविवार 17 अगस्त 2025

www.samaydarshan.in

'करदाता के लिए टैक्स प्राधिकरण की ओर से जारी समन का पालन करना जरूरी', सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली(एजेंसी)। किसी करदाता को केंद्रीय या राज्य कर प्राधिकरण की ओर से जारी किए गए समन का पालन करना होगा और कारण बताओ नोटिस का जवाब देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह बात कही है। आयकर अधिनियम 1961 के तहत करदाता का मलब किसी भी ऐसे व्यक्ति या संस्था से है, जिसपर अधिनियम के तहत तय कर का भुगतान करने या किसी अन्य वित्तीय प्रतिबद्धताओं का कानूनी दायित्व है।

आज़ादी के बाद पहली बार बस्तर के 29 गांवों में शान से लहराया तिरंगा

बस्तर अब भय और हिंसा से निकलकर विकास व विश्वास की ओर - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (समय दर्शन)। आज़ादी के 78 साल बाद बस्तर के उन गांवों में तिरंगा शान से लहराया, जहाँ अब तक नक्सलियों का लाल झंडा ही ताक़त और खौफका प्रतीक माना जाता था। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बीजापुर, नारायणपुर और सुकमा जिलों के 29 गांवों में पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फ्हराया गया। दशकों से बंदूकों की नली और डर के साए में जी रहे इन गांवों में तिरंगे का फ्हराया जाना केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि बदलते बस्तर की ऐतिहासिक तस्वीर है। यह तस्वीर दर्शाती है कि सुरक्षा बलों के त्याग, सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और ग्रामीणों की उम्मीद ने मिलकर नक्सलवाद के गढ़ माने जाने वाले इलाकों में शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। इन गांवों में तिरंगा फ्हराना उस ऐतिहासिक बदलाव का प्रमाण है, जो सुरक्षा बलों के साहस, राज्य और केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति तथा सबसे बढ़कर ग्रामीणों के धैर्य और विश्वास से संभव हुआ है। बीजापुर जिले के कोंडापल्ली, जीड़पल्ली, वाटेवागु, कर्रेगुट्टा, पिड़िया, पुजारीकांकेर और भीमारम जैसे गांव; नारायणपुर जिले के गारपा, कच्चापाल, बेड़माकोट्टी, कांदूलनार, रायनार सहित कई गांव; तथा सुकमा जिले के गोमगुड़ा, गोल्लाकुंडा, नुलकातोंग और उसकावाया जैसे नक्सल प्रभावित इलाकों में आज़ादी के बाद पहली बार तिरंगे का फ्हरना एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह उपलब्धि हमारी सुशासन की सरकार के उस संकल्प का परिणाम है, जिसमें नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति और विकास की नई धारा प्रवाहित करने का लक्ष्य रखा गया है। बस्तर अब भय और हिंसा से बाहर निकलकर प्रगति, समृद्धि और विश्वास की ओर बढ़ रहा है। सरकार का वचन है कि हर गांव तक विकास की रोशनी पहुँचेगी और कोई भी नागरिक विकास की रोशनी से अछूता नहीं रहेगा, उन्होंने कहा।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने इसे सुरक्षा बलों की मेहनत और स्थानीय समुदायों के धैर्य का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि आज जिन गांवों में तिरंगा फ्हराया गया, वहाँ दशकों तक लाल झंडे का खौफ छाया रहा। यह बस्तर में नई सुबह का प्रतीक है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बस्तर के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा बलों की नई रणनीति, शिविरों की स्थापना और लगातार दबाव के चलते नक्सली कैडर कमजोर हुआ है। आत्मसमर्पण नीतियों ने बड़ी संख्या में उग्रवादियों को मुख्यधारा में लौटाया है। वहीं सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि केवल सुरक्षा उपाय ही नहीं, बल्कि विकास ही स्थायी समाधान है। इसी कारण नियद नेल्ला नार योजना सहित सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है।

चुहका स्कूल में आजादी का 79वॉ वर्ष को धूमधाम से मनाया

साजा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला व पूर्व माध्यमिक शाला चुहका में आजादी का पर्व स्वतंत्रता दिवस का 79वां वर्ष हर्षोल्लास से मनाया गया। बच्चों ने सर्वप्रथम प्रभात फेरी निकाली। पश्चात् ग्राम पंचायत गडुवा सरपंच फाफी रोहित बया के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों को पुष्पहार व गुलाल के द्वारा स्वागत किया गया। बच्चो ने देशभक्ति गीत, कविता, भाषण, चुटकुले प्रस्तुत किये। पूर्व माध्यमिक शाला प्रधान पाठिका मंजुलता धुर्वे ने बच्चो को राष्ट्रध्वज का सम्मान करने कहा व सिखाया । प्राथमिक शाला प्रधान पाठक रीखी यादव ने आजादी के महत्व के बारे में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, आमजनों एवं विद्यार्थियों को जानकारी दिया। स्वतंत्रता दिवस अवसर पर बड़ी संख्या में पालकगण व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शाला के स्टॉफदीपक राजपूत, ए. डी. महिलांगे,किशन लाल ठाकुर व प्रकाश साहू उपस्थित रहे। कार्यकम का संचालन प्रकाश साहू के द्वारा किया गया इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष ऊषा यादव व पीला राम पटेल,कौशल पटेल, नारायण पटेल, अजीत पटेल, रामजी पटेल, परस पटेल, का विशेष योगदान रहा।

शासकीय आईटीआई बेरला में नव प्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रवेश उत्सव 18-19 को

बेमेतरा (समय दर्शन)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) बेरला में सत्र 2025-26 एवं 2025-27 हेतु प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। नव प्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों के लिए नव कौशल पथ ङ्क नई राह, नया हुनर कार्यक्रम के अंतर्गत 18 एवं 19 अगस्त 2025 को दो दिवसीय प्रवेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम दिवस 18 अगस्त को परिचय सम्मेलन में शिल्पकार प्रशिक्षण योजना की विस्तृत जानकारी, प्रशिक्षणार्थियों से संबंधित नियम, प्रशिक्षु अधिनियम, राष्ट्रीय प्रशिक्षु संवर्धन योजना की जानकारी, परीक्षा की कंप्यूटर आधारित पद्धति, आईटीआई उत्तीर्ण होने के पश्चात डिप्लोमा पाठ्यक्रम में पार्श्व प्रवेश तथा राज्य के संस्थानों में संचालित योजनाओं जैसे कौशल प्रदाता योजना (वीटीपी), वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों हेतु योजना (एलडब्ल्यूई), जन-निजी भागीदारी योजना (पीपीपी) और संस्थागत प्रबंधन समिति (आईएमसी) की जानकारी दी जाएगी। द्वितीय दिवस 19 अगस्त को प्रशिक्षण उपरांत रोजगार एवं संभावनाओं के संबंध में जिला रोजगार कार्यालय के अधिकारी द्वारा परामर्श (स्लाइड प्रस्तुति), उद्योग प्रतिनिधियों के व्याख्यान, पूर्व प्रशिक्षणार्थियों की सफलता की कहानियां एवं संवाद, तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

कलेटर रणबीर शर्मा ने कलेटोरेट एवं निवास में किया ध्वजारोहण

बेमेतरा (समय दर्शन)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कलेक्टोरेट परिसर में ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कलेक्टर ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें अपने कर्तव्यों का निर्वहन सौहार्दपूर्ण और निष्ठापूर्वक करना चाहिए।

कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि सौंपे गए दायित्वों को बिना किसी तनाव के पूर्ण करें और आगामी समय में और बेहतर कार्य करते हुए जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने बताया कि सामूहिक प्रयासों से ही लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। कई बार प्रशासनिक कार्यों में चुनौतियां आती हैं, लेकिन हमें उन्हें सहजता से स्वीकार करते हुए समाधान की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने सभी से अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने और पारिवारिक जिम्मेदारियों का भी भली-भांति निर्वहन करने का आग्रह किया।

संक्षिप्त समाचार

फ्री फायर खेलने के दौरान नाबालिग ने किया चाकू से हमला

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ मोबाइल गेम फ्री फायर को लेकर हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गुरुर थाना क्षेत्र के पेरपार गांव में दो नाबालिगों के बीच कहासुनी इस कदर बढ़ गई कि एक ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। घटना ग्राम पंचायत कार्यालय के सामने उस समय हुई जब कुछ बच्चे फ्री फायर गेम खेल रहे थे। इसी दौरान 14 वर्षीय लड़का खेलते हुए हँसने लगा, जिसे लेकर 17 वर्षीय लड़के ने सवाल किया। जवाब में छोटे लड़के ने गुस्से में कहा, चुप रहो, नहीं तो मार दूंगा। बात इतनी बढ़ गई कि 14 साल के लड़के ने पास में रखे चाकू से 17 वर्षीय लड़के पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल किशोर को तुरंत रायपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उसका इलाज जारी है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी नाबालिग को हिरासत में लेकर बाल संप्रेषण गृह, दुर्ग भेज दिया है। पुलिस ने इस घटना के बाद अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों को मोबाइल गेम्स से दूर रखें और उन पर निगरानी रखें। यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि मोबाइल गेम्स बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और आपसी रिश्तों को किस तरह प्रभावित कर सकते हैं।

मारपीट से तंग आकर पत्नी ने लगाई फांसी, पति गिरफ्तार

रायपुर। पारिवारिक विवाद और पति द्वारा लगातार मारपीट से तंग आकर पत्नी ने आत्महत्या कर ली। यह घटना अंबिकापुर की है, जहाँ एक महिला ने फाँसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मृतिका का नाम बसंती सिंह था और वह पिछले तीन साल से रामदयाल दास के साथ बतौर पत्नी रह रही थी। उनके बीच आए दिन किसी न किसी बात पर झगड़ा होता था और पति रामदयाल उसके साथ मारपीट करता था। बताया जाता है कि रामदयाल उसे अक्सर मरने के लिए उकसाता भी था। घटना वाले दिन, यानी 14 जुलाई की दोपहर को भी रामदयाल ने बसंती के साथ मारपीट की, जिससे वह शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत परेशान हो गई थी। इसी प्रताड़ना से तंग आकर उसने घर में फाँसी लगा ली। पुलिस ने मामले की जाँच के बाद आरोपी रामदयाल दास (उम्र 27 वर्ष) के खिलाफ धौरपुर थाने में धारा 108 बीएनएस और एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे न्यायालय में पेश किया गया है। इस कार्रवाई में धौरपुर थाना प्रभारी अश्वनी दीवान और उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

युवक की चाकू मारकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। धमतरी जिले के माडमसिल्ली गांव के रहने वाले युवक भागवत मरकाम की पुरुर थाना क्षेत्र के चिटौद गांव में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना बसंत किराना स्टोर के पास हुई, जहां युवक खून से लथपथ हालत में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तुरंत धमतरी जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या के मामले में चिटौद गांव के मनीष सिन्हा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल हत्या की वजह और मृतक के चिटौद आने के कारणों की जांच की जा रही है। मृतक का शव जिला अस्पताल के मर्चुरी में रखा गया है। इस वारदात से इलाके में दहशत का माहौल है।

लूट की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने वाला निकला खुद आरोपी

रायपुर। रायपुर के थाना पण्डरी क्षेत्र में दर्ज की गई लाखों की लूट की रिपोर्ट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस चौंकाने वाले मामले में खुद रिपोर्ट दर्ज कराने वाला युवक चिराग जैन ही लूट की झूठी कहानी रचने वाला निकला। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी चिराग जैन ने अपने ही फर्म की 15 लाख रुपये की नकदी, कुछ अंगूठियां और मोबाइल फोन छिपाकर झूठी लूट की साजिश रची थी। चिराग ने बताया था कि वह 11 अगस्त 2025 को सुबह 11 बजे अपने घर से बैंक में पैसे जमा करने निकला था और कांपा रेलवे फाटक के पास तीन अज्ञात बाइक सवारों ने उसकी कार रोककर हथियार की नोक पर 15 लाख रुपये, अंगूठियां और मोबाइल लूट लिए। इस संबंध में थाना पण्डरी में अपराध क्रमांक 211/25 धारा 309(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर एण्टी क्राइम एवं साइबर यूनिट और थाना पण्डरी पुलिस की संयुक्त टीम ने जब घटना की जांच की, तो सीसीटीवी फुटेज और घटनास्थल की जांच में लूट की पुष्टि नहीं हुई। पूछताछ के दौरान चिराग बार-बार बयान बदलता रहा और टीम को गुमराह करने की कोशिश करता रहा। गहन पूछताछ, तकनीकी साक्ष्य और रिक्रिएशन ऑफसीन में झूठ सामने आ गया। अंततः चिराग ने झूठी लूट की योजना स्वीकार कर ली, जो उसने एमसीएक्स में हुए नुकसान और उड़ीसा के एक व्यापारी की देनदारी से बचने के लिए रची थी।

79वां स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

सुशासन का असली मतलब-जब आखिरी व्यक्ति तक लाभ पहुंचे...

- उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिला सम्मान

रायपुर/ संवाददाता

बैकुंठपुर के शासकीय आदर्श रामानुज हायर सेकेंडरी स्कूल के मिनी स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस पर जिलास्तरीय समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली और मुख्यमंत्री का संदेश वाचन किया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि सुशासन का असली मतलब तब है जब आखिरी व्यक्ति तक इसका लाभ पहुँचे। छत्तीसगढ़ स्थापना के 25 वर्षों को 'छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव' के रूप में मनाने की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री के संदेश में परलकोट, भूमकाल, रायपुर सिपाही विद्रोह और जनजातीय नायकों के योगदान को याद किया गया। राज्य में नक्सलवाद के घटने, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति, महतारी वंदन योजना से 70 लाख महिलाओं को हर माह 1000 रुपये की सहायता और कृषक उन्नति योजना से रिकॉर्ड 149 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी जैसे उपलब्धियों का उल्लेख किया गया। मुख्य अतिथि श्री अमर अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, चंद्रयान दक्षिण ध्रुव तक पहुँचा है, और माओवादी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय सफलता मिली है। मुख्य अतिथि ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, सुरक्षा, संचार, अधोसंरचना, नवाचार, सामाजिक क्षेत्र सहित प्रदेश के चहुंमुखी विकास में हुए अभूतपूर्व उपलब्धियों का मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की जनता के नाम संदेश का वाचन कर जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य को संवारने के लिए आप सभी के सहयोग से हम दृढ़ संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी का रामकाजु कीन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम, हमारा आदर्श वाक्य है। समारोह के मुख्य अतिथि श्री अमर अग्रवाल ने कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक श्री रवि कुमार कुर्रे एवं परेड कमांडर के साथ सुसज्जित निरीक्षण वाहन में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया और लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। समारोह में शांति एवं सद्भावना का प्रतीक के रूप में तीन रंगों-केसरिया, सफेद एवं हरे रंग के गुब्बारों का गुच्छा स्वतंत्रता दिवस अमर रहे की उद्घोष के साथ खुले आसमान में छोड़े गए। राष्ट्रगान की धुन पर जिला पुलिस बल द्वारा हर्ष फायर किया गया। समारोह में परेड की टुकड़ियों द्वारा सधे हुए और कदम-ताल मिलाते हुए शानदार मार्च पास्ट किया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। परेड में जिला पुलिस बल, वन विभाग बल, राष्ट्रीय कैडेट कोर, रेडक्रॉस, रोवर, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्काउट, स्काउट रेंजर, गाईड्स और स्काउट की तुकड़ियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि श्री अग्रवाल ने समारोह में नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए जवान के परिवारजनों को सम्मानित किया। गरिमामय स्वतंत्रता दिवस समारोह में देश प्रेम, बलिदान और संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की स्कूली बच्चों ने शानदार प्रस्तुति दी।

लोक निर्माण विभाग ने कहा सड़क का डामर खुरच कर करे निर्माण

- नगरी निकाय विभाग ने शासन से मांगी स्वीकृति
- राजधानी में सड़क के ऊपर सड़क, सड़क ऊंची, प्लिंथ नीची, बरसात का पानी घरों में तो घुसने की समस्या बढ़ी

रायपुर ।संवाददाता

राजधानी रायपुर में पिछले 35-40 वर्षों में नवीनीकरण के नाम पर बार-बार डामर की परत चढ़ाने से शहर की कई सड़कें आस-पास के मकानों से ऊंची हो गई हैं। जिन मकानों की प्लिंथ कभी सड़क से ऊपर होती थी, अब वे सड़क से नीचे हो गई हैं। नतीजा बरसात में गंदा पानी बाउंड्री के भीतर और कई बार घरों के अंदर तक भर जाता है। रायपुर के शंकर नगर चौक से बिलासा ब्लड बैंक तक हाउसिंग बोर्ड के मकान कभी सड़क से 2 फीट ऊपर थे, अब 2 फीट नीचे हैं। यह सड़क वर्तमान में लोक निर्माण विभाग के अधीन है, और कुछ समय नगर निगम के पास भी रही। दोनों विभागों ने आवश्यकता न होते हुए भी सड़क पर बड़ी-बड़ी गिट्टी और डामर की मोटी-मोटी परतें चढ़ाईं। इसी समस्या को लेकर रायपुर के नितिन सिंघवी 21 जनवरी को लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता से मिले। प्रमुख अभियंता ने समस्या की गंभीरता को संवेदनशीलता से लेते हुए 22 जनवरी को मुख्य अभियंता रायपुर को निर्देश जारी करते हुए लिखा शंकर नगर से लोधीपरा तक विगत वर्षों में लगातार डामरीकरण से सड़क की ऊंचाई बहुत अधिक हो गई है, जिससे बरसात में दोनों ओर के मकानों में जलभराव होता है। यह समस्या केवल शंकर नगर की नहीं, पूरे शहर में हो सकती है। भविष्य में शहरी भाग का नवीनीकरण या स्थल का मजबूतीकरण करने के पूर्व मिलिंग कर पूर्व से निर्मित डामरीकरण को हटाया जावे।

प्यासे खेतों को बांध से पानी देने किसान नेताओं ने की मांग की

- आरंग, तिल्दा, धरसीवां और अभनपुर विधानसभा में स्थिति गंभीर

रायपुर। संवाददाता

रायपुर संभाग में मानसून की गतिविधियां स्थिर हो जाने के कारण प्यासे खेतों को पानी की आवश्यकता है। किसानों को रोपाई एवं अन्य कार्य के लिए पानी छोड़ने की मांग जलाशयों से पानी छोड़ने की मांग किसान संगठनों ने की है। रायपुर जिले के आरंग, धरसीवां, अभनपुर एवं तिल्दा ब्लाक में इस समय किसान बादल की ओर टकटकी लगाकर देख रहे हैं, आज से व्यापक वर्षा होने की अनुमान व्यक्त किया गया था, लेकिन आज भी पानी नहीं गिरा कांग्रेस के पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू ने भी पानी छोड़ने की मांग की है। महानदी के मुख्य नहर से पानी छोड़ने की मांग के लिए एक मांग पत्र सौंपा गया है। लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। धरसीवां क्षेत्र के तिल्दा ब्लाक में भी स्थिति गंभीर है। यहां पर भी पानी छोड़ने की मांग की जा रही है। कांग्रेस भवन से मिली जानकारी के अनुसार पानी के कारण कृषि कार्य प्रभावित, कृषि कार्य पानी बिना ढप,रोपाई बयासी अटका जुलाई माह में लगातार अच्छी वर्षा होने से धान के फसल अभी तक अच्छी स्थिति में है लेकिन अगस्त माह प्रारंभ होने के बाद से वर्षा नहीं हुए जिसके कारण पानी की कमी से कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है अभी कई किसानों का रोपाई, बियाशी का कार्य अंतिम स्थिति में है, निदाई का कार्य होना है पानी के अभाव में नहीं हो पा रहा है अभी जल्दी बांधो से पानी छोड़ने की स्थिति में बचे हुए रोपाई, बयासी एवं निदाई का कार्य जोरो से होगा खेतों में जहां कार्य हो चुका है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित स्वागत समारोह में काफी टेबल बुक संवृत्ति का विमोचन किया

गरिमामय माहौल में मनाया गया 79 वां स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने किया ध्वजारोहण

- शहीदों के परिजन, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित
- स्कूली बच्चों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

रायपुर/ संवाददाता

आजादी का 79वां पर्व जिले में गरिमामय माहौल में उत्साहपूर्वक मनाया गया। पुलिस ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान की धुन पर सलामी ली। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शांति के प्रतीक सफेद कबूतर उड़ाए और हर्षोल्लास और उमंग के प्रतीक तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े। इस अवसर पर 13 प्लाटूनों ने भव्य एवं आकर्षक परेड का प्रदर्शन किया। श्री साव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन कर नक्सल हिंसा में शहीद हुए जवानों के परिवारों को सम्मानित किया। शासकीय कार्यों एवं दायित्वों के उत्कृष्ट निर्वहन के लिए विभिन्न विभागों में कार्यरत 118 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रावीण्य सूची में स्थान हासिल करने वाले 10 वीं एवं 12 वीं की बच्चों एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले स्कूल के प्राचार्यों को भी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

टेट बैंक से 17.52 लाख की ऑनलाइन ठगी फर्जी लेटरपैड के जरिए मैनेजर को बनाया निशाना

रायपुर। राजधानी के रामसागरपारा स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से एक बड़ा ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने फर्जी लेटरपैड के सहारे बैंक मैनेजर को भ्रमित कर 17.52 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन करवा लिया। यह घटना आजाद चौक थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, इस ब्रांच के वर्तमान मैनेजर आशुतोष कुमार (निवासी गिरिडीह, झारखंड) को 8 अगस्त को पूर्व मैनेजर कार्तिक राउंड का फोन आया। कार्तिक ने बताया कि कृष्णा बिल्डर्स के डायरेक्टर सुनील तापड़िया का खाता इस ब्रांच में है और उनका लेनदेन काफी समय से होता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सुनील का फोन आए तो मदद कर देना। 11 अगस्त को आशुतोष को एक कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को सुनील तापड़िया बताया और कहा कि वह रजिस्ट्री ऑफिस में है, बैंक नहीं आ पाएगा। उसने व्हाट्सएप पर कृष्णा बिल्डर्स के लेटरपैड में एक एनईएफटी डिटेल भेजा और 17.52 लाख रुपए ट्रांसफर करने को कहा। बिना ज्यादा जांच के, आशुतोष ने उस आधार पर राशि सरफराज अंसारी नामक व्यक्ति के राजस्थान स्थित खाते में ट्रांसफर कर दी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ राजधानी में दिया धरना...

रायपुर। संवाददाता

छग जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण संघ ने प्रदेश की 60 हजार महिला कार्यकर्ताओं को शासकीय कर्मचारी घोषित करने की मांग करते हुए राजधानी एवं जिला मुख्यालयों में व्यापक प्रदर्शन एवं धरना दिया। संघ की प्रांताध्यक्ष श्रीमती पदमावती साहू एवं जिला अध्यक्ष श्रीमती भूनेश्वरी तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सन 1975 से अविभाजित मप्र में नियमित सेवाएं दे रहे हैं। उनसे केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 16 प्रकार के कार्य करवाये जाते हैं जबकि वेतन मात्र 10 हजार एवं पांच हजार रुपये प्रतिमाह है। इसमें मोबाइल एवं रिचार्ज का खर्चा भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को उठाना पड़ रहा है जिसकी वजह से घर खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न विकासखंडों में प्रदेश के हजारों कार्यकर्ता समर्पित भाव से सेवा कर रहे हैं। अनेकोंबार महिला बाल विकास मंत्री एवं केंद्र में लिखित ज्ञापन देने के उपरांत भी हमारी मांगों को अनसुना किया गया है। पदमावती ने बताया कि प्रमुख मांगों में मप्र की तरह प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत मानदेय वृद्धि की जाये, पर्यवेक्षकों की भर्ती तत्काल की जाए। आयु सीमा हटाते हुए 50 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति का प्रावधान हो। सहायिकाओं को शत प्रतिशत पदोन्नत किया जाए। आयु बंधन हटाए जाए, पोषण एप में आने वाली तकनीकी समस्या को सुलझाए जाये।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पण्डित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में किया ध्वजारोहण

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीदों के परिजनों क़ा किया सम्मान

- स्कूली बच्चों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, उत्कृष्ट कार्य के लिए 64 अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित

रायपुर/ संवाददाता

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने बलौदाबाजार जिले के पंडित चक्रपाणि हाई स्कूल में 79 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन करते हुए राज्य सरकार की प्रमुख उपलब्धियां एवं भावी कार्य-योजनाओं की जानकारी दी। श्री अग्रवाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों के परिजनों का कुशलक्षेम पूछते हुये शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने शासकीय योजनाओं में उत्कृष्ट कार्य के लिए 64 शासकीय कर्मियों का भी जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित कर शुभकामनाएं दी। जिला स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण पश्चात जिला पुलिस बल, नगर सेना, एनसीसी, स्काउट गाइड एवं रेडक्रॉस की टुकड़ी ने झण्डे एवं अतिथि को शानदार सलामी दी। समारोह में हर्ष और उल्लास के प्रतीक के रूप में रंगीन गुब्बारे आसमान में उड़ाये गये। श्री अग्रवाल ने जिलें के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिजन लक्ष्मी ठाकुर, सावित्री सोनी, वीर शहीद उपनिरीक्षक युगल किशोर वर्मा, आरक्षक हुमेश्वर प्रसाद कुर्रे, हीरा लाल गायकवाड़, संतराम साहू, धनंजय वर्मा, संतोष ध्रुव, नरेश कुमार ध्रुव, मिथिलेश कुमार साहू, टेकराम वर्मा, प्रधान आरक्षक हेमलाल कौशिक के परिजनों का श्रीफल एवं साल से सम्मान कर उनका हाल चाल जाना। इसके अतरिक्त जिले के मीसाबंदियो का भी सम्मान किया गया। सांसद श्री अग्रवाल ने मुख्य मंच से करीब 64 अधिकारी-कर्मचारियों को उनके बेहतर सेवा के लिए जिला प्रशासन की ओर से प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सीनियर मार्च पास्ट में बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रथम पुरस्कार जिला पुलिस बल पुरूष, द्वितीय पुरस्कार एनसीसी शासकीय डी.के महाविद्यालय बलौदाबाजार एव तृतीय पुरस्कार एनसीसी मिनीमाता शासकीय कन्या महाविद्याल बलौदाबाजार को प्रदान किया गया। इसी तरह जूनियर मार्च पास्ट में प्रथम पुरस्कार गाईड पं. लक्ष्मी प्रसाद तिवारी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलौदाबाजार, द्वितीय पुरस्कार स्वामी आत्मानंद पं. चक्रपाणी शुक्ल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलौदाबाजार एवं तृतीय पुरस्कार रेडक्रास पं. लक्ष्मी प्रसाद तिवारी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलौदाबाजार को प्रदान किया गया। इसी तरह आज सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पं. लक्ष्मी प्रसाद तिवारी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलौदाबाजार को प्रथम, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बलौदाबाजार को द्वितीय एवं गुरुकुल इंग्लिश मीडियम स्कूल बलौदाबाजार को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके साथ ही मलखंभ को विशेष सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, पूर्व विधायक बिलाईगढ़ डॉ. सनम जांगड़े।

संपादकीय

सच बताने की रणनीति

पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को सबक सिखाया जा चुका है। भारत पाकिस्तान के संघर्ष की बातें हम भांति-भांति से सुन चुके हैं। लगता है सब अपने-अपने हिस्से का 'सच' बताने की रणनीति पर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री संसद में बयान दे चुके हैं। रक्षा अधिकारी बता चुके हैं कि पाकिस्तान की बैंड भारत ने कैसे बजाई। लेकिन लगता है जैसे हमारे वायु सेना प्रमुख जरा देर से जागे हैं। उन्होंने ऐसी बात बताई है जो आज तक कोई नहीं बता पाया था। बाकी सब लोग पाकिस्तान और पीओके में आतंकी अड्डों के ध्वस्त होने और कई एयर फील्ड तबाह कर देने तक तो पहुंचे थे लेकिन एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने शनिवार को जो कहा वह सबसे अलग है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया था। गिराया गया सबसे बड़ा विमान तो 300 किमी. दूर से निशाना बनाया गया जो भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। एलएम कात्रे स्मृति व्याख्यान में उन्होंने बताया कि बड़ा विमान एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम भी हो सकता है। सिंह ने कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय वायुसेना ने हवाई क्षेत्र पर हमला करने का निर्णय लिया। सुकर एयरबेस की तबाही के चित्र दिखाते हुए उन्होंने तमाम बर्बादी की पुष्टि की। वायुसेना ने यूएबी हैंगर और रडार स्थल पर हमला किया। एडब्ल्यूसी हैंगर पर फिर से हमला किया गया। सरगोधा के बारे में वायुसेना चीफ ने कहा, संयोग से मुझे अपनी सेवानिवृत्ति से पहले यहां कुछ कर दिखाने का मौका मिल गया। भारत की एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पासा पलटने वाली साबित हुई। एस-400 प्रणाली की वजह से पाकिस्तान भारतीय वायु रक्षा प्रणाली को भेद नहीं सका। उनके अनुसार सीडीएस का पद सैन्य अभियानों में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव लेकर आया है। एयर चीफ ने ऑपरेशन सिंदूर में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की भूमिका पर भी प्रकाश डाला जिससे अन्य एजेंसियों और सुरक्षा बलों को एक साथ लाने में मदद मिली। लगता है कि वायुसेना चीफ अभी बताना नहीं चाह रहे हों कि गिराए गए लड़ाकू विमानों में कितने एफ 16 विमान थे। एफ 16 की क्षति अमेरिका के गर्व को चूर करती है। ट्रंप का भारत विरोधी रुख इसी का नतीजा भी हो सकता है। लेकिन सवाल उठता है कि सिंह ने यह बात बताने में इतनी देर क्यों कर दी।

चुनाव परिणाम की विश्वसनीयता पर जनता के मन में शंका

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लोकतंत्र का आधार चुनाव कराना ही नहीं, बल्कि चुनाव ऐसे कराना है कि इसकी निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर जनता का भरोसा बना रहे। हाल में लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों ने देश की चुनावी प्रक्रिया पर बहस को नये मोड़ पर ला खड़ा किया है। यह केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को प्रभावित करने वाला गंभीर मसला है, जिसे न केवल राजनीतिक, बल्कि संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से भी परखना आवश्यक है। राहुल ने अपने आरोपों में दावा किया है कि 2024 के आम चुनाव में बड़े पैमाने पर मतदाता सूचियों में फर्जी नाम जोड़े गए और असली मतदाताओं के नाम गलत तरीके से काटे गए। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी यह प्रवृत्ति देखने को मिली है। विपक्ष का आरोप है कि यह सब भारतीय जनता पार्टी को चुनावी लाभ देने के उद्देश्य से किया गया जिससे मतदाता सूची में हेरफेर कर परिणामों को प्रभावित किया जा सके। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करने की बजाय 'हलफनामा' देने को कहा है। कर्नाटक समेत तीन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे संबंधित मतदाताओं के नाम दें जिन पर आरोप है कि उनके नाम फर्जी तरीके से जोड़े या काटे गए हैं। आयोग का कहना है कि इन दावों की सटीक जांच के लिए तथ्यों और ठोस प्रमाण की आवश्यकता है, महज आरोप पर्याप्त नहीं। आयोग का यह रु ख जहां नियम-सम्मत प्रतीत होता है, वहीं विपक्ष के आरोपों की गंभीरता को देखते हुए इनकी जांच में तत्परता और पारदर्शिता की मांग भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण हो जाती है। विवाद केवल आंकड़ों और आरोपों का खेल नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के मूल 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत से भी जुड़ा है। यदि वाकई एक मतदाता के नाम पर कई वोट दर्ज हैं, तो यह सीधे-सीधे मतदान प्रक्रिया की पवित्रता का उल्लंघन है। मतदाता सूची का सही और अद्यतन होना चुनाव की निष्पक्षता की पहली शर्त है। राहुल और विपक्षी दलों के आरोप फर्जी नाम जोड़ने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हैं। उनका कहना है कि आयोग मतदाता सूची में गड़बड़ी दूर करने के लिए आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक उपायों को पूरी तरह लागू नहीं कर रहा है। उदाहरणत- आयोग द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन प्रक्रिया शुरू की गई परंतु इसमें भी पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के आरोप लगते रहे हैं। कई बार फील्ड अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव की आशंका जताई जाती है, जिससे गलत नाम सूची में बने रहते हैं, और सही नाम हटा दिए जाते हैं। चुनावी पारदर्शिता पर चर्चा करते समय तकनीकी पहलुओं को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। विपक्षी दलों का आरोप है कि आयोग चुनाव प्रक्रिया की निगरानी में पारदर्शिता नहीं बरत रहा। जैसे कि मतदान के बाद वीवीपैट पर्चियों की गिनती सीमित प्रतिशत में करना, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित नहीं रखना और मतदान केंद्रों से ईवीएम की आवाजाही के दौरान पर्याप्त सुरक्षा उपायों का अभाव। ये सभी ऐसे बिंदु हैं, जो जनता के मन में शंका पैदा करते हैं। चुनाव परिणाम की विश्वसनीयता पर भी असर डालते हैं। उल्लेखनीय है कि आयोग द्वारा मतदाता सूची संबंधी डेटा को ऐसे प्रारूप में जारी नहीं किया जाता जो आसानी से विश्लेषण के लिए उपयुक्त हो। इसके कारण राजनीतिक दलों और नागरिक संगठनों को जांच-पड़ताल में कठिनाई होती है। यदि डेटा पारदर्शी और उपयोगी प्रारूप में उपलब्ध हो, तो स्वतंत्र संस्थाएं और मीडिया भी चुनावी प्रक्रिया पर निगरानी रख सकते हैं, और गड़बड़ी पकड़ने में मदद कर सकते हैं। इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू है संस्थागत विश्वास का क्षरण। चुनाव आयोग जैसी संस्था का भरोसा केवल उसकी संवैधानिक वैधता पर नहीं, बल्कि उसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता पर टिका होता है। यदि जनता का विश्वास इससे उठने लगे तो लोकतंत्र की नींव ही हिल सकती है। यही कारण है कि राहुल के आरोपों को राजनीतिक बयानबाजी मान कर टालना पर्याप्त नहीं, बल्कि इनकी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच होना आवश्यक है।

लोक जागरण का महापर्व है श्री कृष्ण जन्माष्टमी

डा. विनोद बब्बर

जागरण अर्थात चेतना जीवंतता की पहली शर्त है। यूं तो सभी जीवों में चेतना होती है लेकिन जागृत चेतना केवल मनुष्य में ही संभव है। जागृत चेतना का अभिप्राय अपने परिवेश की हलचल के प्रति सजग रहते हुए अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के गौरव को सुरक्षित रखने का चिंतन के अतिरिक्त कुछ और नहीं हो ही नहीं सकता? यह भी सत्य है कि अपने चिंतन, सजगता और कर्मठता से मानव सदियों से यह उपक्रम लगातार करता आ रहा है। यहाँ निजहित के लिए समाज और राष्ट्र को क्षति पहुंचाने वाली मानसिकता आत्मकेन्द्रित अधिनायकवाद मानी जाती है। उसे भ्रष्टाचार घोषित किया गया है। दुराचार माना गया है।

और सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसा मानवता विरोधी है। अनैतिक है। हाँ, कुछ लोग अनैतिकता और असंवैधानिकता की चर्चा करते हुए अनैतिकता को छोटी सी भूल और असंवैधानिकता को महान अपराध घोषित कर सकते हैं जबकि अनैतिकता से बड़ा अपराध कोई हो ही नहीं सकता। गैरकानूनी को तो थोड़े से दण्ड के साथ बदला भी जा सकता है लेकिन अनैतिकता का प्रायश्चित आसान नहीं है। इसीलिए तो अनैतिक लोगों का अन्यायी और क्रूर हो जाना आम बात है। रावण और कंस के कृत्य असंवैधानिक शायद ही हों क्योंकि वे स्वयं को अपना और दूसरों का संविधान समझते थे। भाग्य विधाता मानते थे लेकिन इतिहास उन्हें अनैतिक तथा अन्यायी मानता है।

और यह भी इतिहास के स्वर्णिम अध्यायों में दर्ज है कि इन आततायियों से जनसाधारण को बचाने के लिए भगवान ने स्वयं अवतार लिया। 'यदा यदा हि धर्मस्यज' का उद्बोध करने वाले योगेश्वर श्रीकृष्ण की समस्त लीलाएं अन्याय और अत्याचार का नाश करने के लिए ही हुई।

जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के प्रकटोत्सव का पावन दिवस है तो जागरण का पर्व भी। श्रीकृष्ण को दुनिया का प्रथम सत्याग्रही, प्रथम समाजवादी, प्रथम अवज्ञा आन्दोलनकर्ता माना जा सकता है। ब्रज के समस्त ग्वालों को अपना दूध, दही, मक्खन आततायी कंस को भेजने की विवशता थी लेकिन मेहनतकश भूखा रहे और अन्यायी माखन खाये, यह अवधारणा बाल कृष्ण को कदापि स्वीकार नहीं थी। दुनिया उसे लाख माखन चोर, मटकी फोड़ कहें लेकिन उनका दर्शन स्पष्ट था- मेहनत करने वाले का संसाधनों पर पहला हक है। यह द्वापर युग की विशेषता थी कि उन्हें वोट बैंक की चिंता नहीं थी वरना वे भी आज के राजनेताओं की तरह संसाधनों पर मेहनतकश की बजाय एक जमात का पहला हक बताते। यह उनका सत्याग्रह था अथवा अवज्ञा आंदोलन, इसका फैसला आप स्वयं करें कि उन्होंने अपने ग्वाल-बाल सखाओं सहित उस क्षेत्र से बाहर जा रहे दही-माखन की मटकी फोड़कर कंस के

अन्याय, भ्रष्टाचार का विरोध किया था।

इस दृष्टि में श्रीकृष्ण प्रथम धरती पुत्र भी कहे जा सकते हैं। उन्होंने अपनी लीलाओं से 'भागो मत- मुकाबला करो और स्वयं के भाग्य विधाता बनो' का संदेश दिया जो आज भी उतना ही प्रासंगिक एवं सार्थक है। लोकतंत्र को बेशक कुछ लोग आधुनिक शासन प्रणाली घोषित करते हों लेकिन 'स्वयं के भाग्य विधाता बनने' की श्रीकृष्ण की इस अवधारणा को लोकतंत्र के अतिरिक्त और कहा भी जाए तो क्या?

श्रीकृष्ण को सबसे पहले उन्हें जानना होगा। वे भारतीय संस्कृति की जीवंतता के प्रियतम प्रतीक हैं जिसमें आनंद है, सरसता है, उमंग व उल्लास है. जीवन के प्रत्येक क्षण में नवीनता है। जहा दुर्भावनाओं और निराशाओं के लिए स्थान नहीं है। इस धरा पर पर कृष्ण का अवतरण मनोहरम् घटना हैं क्योंकि वे पूर्णता के प्रतीक हैं। एक ओर जहां उन्होंने मानव जन्म की सीमाओं को स्वयं जीकर दिखाया है, वहीं गीता के शाश्वत संदेश को सबके समक्ष प्रस्तुत किया है। कर्म की महत्ता बताने वाले योगीराज कृष्ण के जन्म से जुड़ी हुई रोमांचक घटनाएं, उनका बाल्यकाल, उनका यौवन, उनका स्वधाम गमन सभी कुछ मन व आत्मा को आनंदित तो करता ही है, साथ ही आश्चर्य में डालकर विस्मित भी कर देता है। योग योगेश्वर श्रीकृष्ण निष्काम कर्म के प्रणेता हैं . जिन रासलीलाओं को वर्तमान दौर में सतही प्रेम के नजरिए से देखा जाता है वो वास्तव मे अध्यात्म का अनंत आकाश है , निष्काम कर्म की विस्तृत व्याख्या है , आत्मा की अनंत यात्रा है।

श्रीकृष्ण अन्याय और अपमान को एक सीमा तक ही सहन करते हैं. उसके बाद अपनी अंगुली पर सुदर्शन चक्र धारण कर दुष्टों का विनाश किया। आज की व्यवस्था में व्याप्त राक्षशी प्रवृतियों का सफाया करने की शक्ति हम सभी में भी है बशर्ते हम गलत के विरुद्ध अपनी आवाज उठाने से न चूको । आज तो सोशल मीडिया का युग है. यदि कुछ देश विरुद्ध, धर्म विरुद्ध, दिखाई देता है तो अपनी आवाज बुलंद करो। अपने स्मार्टफोन से ईवीएम तक हमारी उंगली को सुदर्शन चक्र जैसी चेतना और मारक क्षमता धारण करनी चाहिए। अन्यायी, अत्याचारी, भ्रष्ट चाहे किसी भी दल का हो उसका जड़ मूल छेदन करने की कृष्ण चेतना हमारे हृदयों में भी स्थायी रूप से प्रतिष्ठित रहनी चाहिए। यह काम किसी दूसरे पर नहीं छोड़ा जा सकता लेकिन जिस प्रकार श्रीकृष्ण ने बाल गोपाल को अपने साथ जोड़ा, हमें भी दूसरों को अपने साथ जोड़ने की पात्रता विकसित करनी चाहिए। यह श्रीकृष्ण की दूरदर्शिता और कूटनीति थी कि उन्होंने इन्द्र के अहंकार को तोड़ने के लिए अपनी अंगुली पर गोवर्धन उठा लिया था लेकिन आम जनता में विश्वास उत्पन्न करने के लिए सभी से अपनी-अपनी लाठी लगाने को कहा था।

श्रीकृष्ण द्वारा कालिया दलन पवित्र संसाधनों के शुद्धिकरण का अभियान था। नदी पर काबिज कालिया से यमुना को मुक्त करवाने निहित संदेश को समझना जरूरी है। आज भी यमुना, गंगा, सहित सभी पवित्र नदियों पर फिर से काबिज कालिया (प्रदूषण) से मुक्ति की युक्ति लगाये बिना हम कृष्ण के उत्तराधिकारी अथवा उनके भक्त होने का दावा नहीं कर सकते। श्रीमद्भागवत गीता के 12वें अध्याय में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने भक्त की विशेषता दर्शाते हुए स्पष्ट कहा है- उसे निरपेक्ष शुद्ध और दक्ष होना चाहिए। मैत्री और करूण से युक्त होना चाहिए अर्थात, किसी अंधभक्त, पागल, नासमझ को वे अपना भक्त स्वीकार नहीं करते।

श्रीकृष्ण जहाँ अत्यन्त सरल हैं, सत्याग्रही हैं वही दुष्टों के प्रति अत्यन्त कठोर भी हैं। वे जानते हैं कि आततायी शक्तियों के असीमित बल को तोड़ने के लिए 'नरों वा कुंजरो वा' भी आवश्यक है। आलोचक इसे सच-झूठ के द्वंद्व में उलझाते रहें लेकिन श्रीकृष्ण तिनके को चीरकर दुर्योधन पर प्रहार का उपाय बताने से भी पीछे नहीं हटते क्योंकि सभी के लिए सुख और शांति उनका ध्येय है।

उन्होंने कभी सत्ता का लोभ नहीं किया। कंस की वध किया तो राजपाट अपने पिता या भाई को नहीं बल्कि कंस के परिजनों को सौंपा। ऐसे अनेक अवसर आये लेकिन कृष्ण कभी छोटे नहीं हुए। रणछोड़ कहलाना स्वीकार लेकिन अपने प्रिय बृजवासियों को जरासंध के बार-बार होने वाले आक्रमणों से बचाने के लिए ब्रज छोड़ द्वारका चले गये। स्वयं शिशुपाल की सौ गालियां सुनकर भी खामोश बने रहे लेकिन शिशुपाल ने रुक्मिणी को अपनी वाग्दत्ता पत्नी कहा तो श्रीकृष्ण ने तत्काल उसका शीश काट डाला। यह नारी सम्मान के प्रति उनकी भावना थी जो द्रोपदी के चीरहरण से हजारो रानियों को रिहा करवाने तक बार-बार सामने आता है।

श्रीकृष्ण जहां ॠषि मुनियों तक को अपने रहस्य को जानने में छकाते, तड़पाते हैं , वहीं वें प्रेम में बंध बृजवासियो व गोकुल के अपढ़, भोले-भाले गोपी, ग्वालों को बिना किसी तप जप के ही अपने दर्शन देकर उन्हे अपने धाम बुला लेते हैं। रसखान तो स्पष्ट कहते हैं-

शेष गणेश महेश दिनेश सुरेशहू जाही निरंतर गावै।

जाही अनादि अनंत अखंड अखेद अभेद सूबेद बतावै।

नारद से सुक व्यास रटें पछियारे ताऊ पुनि पार न पावै।

ताहि अहीर की छोहरियाँ छछिया भर छाछ पे नाच नचावै।।

द्वापर में मथुरा के नंदनंदन, कुरुक्षेत्र में महाभारत के कूटनीतिज्ञ हृषिकेश, गोकुल में यशोदा के कान्हा ,कंस की जेल में देवकी के दिव्य पुत्र कृष्ण, गोपियों के माखनचोर और भक्तो के सुदर्शन चक्रधारी कृष्ण या फिर राधा के दीवाने कान्हा हैं श्री कृष्ण। उसके नाम ऐसा आकर्षण कि रुप में अपनी तरफखींचता है, वह नटखट भी है और मर्मज्ञ भी। भोले हैं तो चतुर भी इतना कि पार पाना असंभव लगता है।

कृष्ण के कितने और कैसे -कैसे रूप हैं यह जानना साधारण मानव तो क्या बड़े- बड़े ॠषि मुनियों के बस की बात भी नहीं रही, वे कभी कर्मयोगी कभी छलिया, कभी भगवान तो कभी एक साधारण से मानव नजर आते हैं। सच कहें तो चतुरों को श्रीकृष्ण कभी समझ में नहीं आते। उन्हें समझने के लिये सारे पोथे अपर्याप्त रह जाते हैं परंतु निष्कपट हृदय के प्रेम के ढाई अक्षर उन्हें सहजता से अपना बना लेते हैं। अनेक नाम से पुकारे जाने वाले हृदयेश्वर की तेजस्विता का एक अंश प्रत्येक सनातन प्रेमी भारतीय के हृदय में चेतना का संचार करती रहे !

हवा-पानी की आज़ादी के बिना आज़ादी अधूरी

ललित गर्ग

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण- ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आज़ादी मतलब 'स्वस्थ हवा' पाना है। हमारे आज़ादी को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आज़ादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आज़ादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आज़ादी मिली है?

आज़ादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ़ झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज़ बनती जा रही है। 'हवा-पानी की आज़ादी' का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है।

जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंधूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बर्बादी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है।

दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 'बहुत खराब' या 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को ज़हरीला बना रहे हैं। भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है-तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे-अब भी खरे हैं तालाब। आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने 'अटल भूजल योजना', 'नल से जल' और 'नदी पुनर्जीवन' जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम हैं। आज़ादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हो और उसकी आवाज़ सिर्फ़ चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए। आजादी के अमृतकाल में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए हमें हवा एवं पानी की आजादी के लिये संकल्प लेना होगा। वायु-जल संसाधनों पर गहराते संकट को खत्म करने के लिए अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी लोगों को बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरूष, किसान, उद्यमियों सभी को पहल करनी है। पानी को बचाने एवं हवा की शुद्धि की आदत को व्यवहार में ढालना होगा। हवा में घूल रहा प्रदूषण भी खतरनाक होता जा रहा है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। खेती में प्रदूषकों की रोकथाम से जल संसाधनों के संकट और पारिस्थिकी तंत्र में बदलाव के संकट को कम किया जा सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित करके समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। उपलब्ध जल संसाधनों तक उपभोग को सीमित करके, संसाधन पर दवाब कम किया जा सकता है।

आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आज़ादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोज़गारी का नहीं, बल्कि शुद्ध हवा-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है। हमने अंग्रेज़ी शासन से मुक्ति पाई, लेकिन अगर हमारे बच्चे दूषित हवा में सांस लें और जहरीला पानी पिएं, तो यह कैसी आज़ादी है? आज़ादी का वास्तविक अर्थ तभी होगा जब हर नागरिक को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी मिले। 78वां स्वतंत्रता दिवस केवल झंडा फहराने और भाषण देने का नहीं, बल्कि जीवनदायिनी संसाधनों की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर है। अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर पानी बचाने की आदत डालें। प्लास्टिक का उपयोग कम करें। वर्षा जल संचयन करें। प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों का विरोध करें। वृक्षारोपण को जीवन का हिस्सा बनाएं। क्योंकि हवा और पानी की आज़ादी ही जीवन की सच्ची आज़ादी है।

संक्षिप्त समाचार

श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल, सरायपाली में स्वतंत्रता दिवस पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

सरायपाली (समय दर्शन)। स्थानीय श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल, सरायपाली में स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्ले ग्रुप से यू.के.जी. तक के लगभग 50 से अधिक नन्हें-मुन्ने बच्चों ने भाग लिया। बच्चे स्वतंत्रता सेनानियों के परिधानों में सजे हुए भारत माता की झांकी के साथ देशभक्ति की भावना को सजीव कर रहे थे। गांधीजी, भगत सिंह, नेहरूजी, रानी लक्ष्मीबाई, सुभाष चंद्र बोस जैसे वीरों का रूप धारण कर बच्चों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम विद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया, जिसमें समस्त शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति की भावना, आत्मविश्वास एवं मंच कौशल का विकास करना रहा। निर्णायकों द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति देने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया और सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप उपहार प्रदान किए गए।

स्वतंत्रता दिवस बंसुला स्कूल में धूम धाम से मनाया गया

बसना (समय दर्शन)। राष्ट्रीय पर्व 15अगस्त स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला बंसुला मे संयुक्त रूप मनाया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में सरपंच नवीन साहू तथा समिति के अध्यक्ष चंदन चौहान उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा भारत माता, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण, पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात् अतिथियों के द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। इस अवसर पर नवीन साहू सरपंच, शौकीलाल बारिक, रमेश डड़सेना ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया और स्वतंत्रता दिवस दिवस की शुभकामनाएं प्रदान की। उसके पश्चात प्रभात फेरी निकाली गई। अंत में बाल सभा का आयोजन किया गया जिसमें अनेक छात्र छात्राओ ने स्वतंत्रता दिवस के बारे में गीत एवं भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रवीर कुमार बेहेरा प्रधान पाठक एवं राजेश भाई के द्वारा किया गया ।आभार प्रदर्शन प्रधान पाठक दिनेश डडसेना के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश साव, सुजाता प्रधान,मंदाकिनी प्रधान,अनीता साहू, सीता साहू , पुष्पांजलि बगरती,चमेली सागर का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम में बहुत अधिक संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, पालक गण उपस्थित थे।

प्रणव शर्मा द्वारा अमेरी में स्वतन्त्रता दिवस पर छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण किया गया

पाटन। ग्राम अमेरी में स्वतंत्रता दिवस के सुअवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में अजय आर्ट्स के सौजन्य से छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण क्षेत्र के प्रख्यात शिक्षाविद समाजसेवी सभापति प्रणव शर्मा के कर कमलों से संपन्न हुआ, इस अवसर पर प्यारे बच्चों ने देशभक्ति से ओत प्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों का सम्मान उपस्थित गणमान्य अतिथियों के हाथों कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में गाँव के सरपंच भूषण सेन जी, उपसरपंच सुखेन नेताम, पंचगण, ग्रामवासी मनीष कोशले, कोमल यादव, समेत गणमान्य वरिष्ठ नागरिक, विद्यालय के प्रधान पाठक एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

विधायक ने वन महोत्सव में पौधारोपण कर शहीदों को किया नमन, पर्यावरण और राष्ट्रसेवा का दिया संदेश

पिथौरा (समय दर्शन)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पिथौरा स्थित वन परिक्षेत्र कार्यालय में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, सामान्य वन मंडल महासमुंद द्वारा किया गया, जिसमें बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

भारत माता की पूजा और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं- कार्यक्रम की शुरुआत में विधायक डॉ. अग्रवाल ने भारत माता की पूजा-अर्चना कर उपस्थित जनसमूह को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिन हमारे देश के इतिहास का सबसे गौरवपूर्ण अध्याय है। 15 अगस्त 1947 को हमारे वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें स्वतंत्रता दिलाई। आज हम उनके बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन करते हैं।

विधायक डॉ अग्रवाल ने पौधारोपण के माध्यम से दिया राष्ट्रभक्ति का संदेश- इसके पश्चात विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने वन महोत्सव में भाग लेते हुए पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि यह पौधा आने वाली पीढ़ियों को साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा। जिस प्रकार पेड़-पौधे हमें जीवन के लिए ऑक्सीजन देते हैं और हमारी रक्षा करते हैं, उसी प्रकार 15 अगस्त 1947 को हमारे जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की और हम सभी को एक सूत्र में पिरो दिया।

उन्होंने पौधारोपण को केवल एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक पहल बताया।

पर्यावरण और राष्ट्र सेवा का किया आह्वान- अपने उद्बोधन में विधायक डॉ. अग्रवाल ने उपस्थित गणमान्यजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज जब हम स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं तो हमें यह भी याद रखना चाहिए कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। हमें अपने देश की रक्षा के साथ-साथ प्रकृति की रक्षा भी करनी है। यह पौधारोपण एक छोटा सा कदम है, लेकिन इसका प्रभाव आने वाले वर्षों तक रहेगा। यह पौधा जब बड़ा होगा, तो यह न केवल छाया देगा, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाएगा कि हमने अपने देश और पर्यावरण के लिए कुछ किया था।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने आगे कहा कि मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूँ कि वे पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन और स्वच्छता के प्रति सजग रहें। जिस प्रकार हमारे जवानों ने देश की रक्षा की, उसी प्रकार हमें भी अपने आसपास के वातावरण की रक्षा करनी है। आइए हम सब मिलकर एक ऐसा भारत बनाएं जो न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो, बल्कि पर्यावरणीय रूप से भी समृद्ध और संतुलित हो।

उपस्थित गणमान्यजन- इस शुभ अवसर पर जनपद अध्यक्ष ऊषा पुरुषोत्तम धृतलहरें, जनपद उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश सिंघल,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य स्वप्निल तिवारी,विजय नायक,विजय राज पटेल, विधायक प्रतिनिधि सुमित अग्रवाल,वन परिक्षेत्र अधिकारी सालिकराम दडसेना,जनपद सदस्य पुरुषोत्तम धृतलहरें,सुरेंद्र पांडे,संजय गोयल,राजा शुक्ला,कोमल मोहंती,मुकेश अग्रवाल,पत्रकार संजय तयाल, खेमू अग्रवाल,किसान मोर्चा अध्यक्ष अजय डडसेना सहित वन विभाग के अधिकारीगण और कर्मचारी उपस्थित रहे।

शास हाई स्कूल रेमड़ा मे स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

बसना (समय दर्शन) । 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह शाला प्रांगण रेमड़ा में धूमधाम से मनाया गया । सुबह 7:30 बजे विद्यालय प्रांगण में प्राचार्य व्ही के साहू द्वारा ध्वजारोहण के पश्चात कार्यक्रम के अतिथि के रूप में गांव के गोंटिया संतोष दीवान एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच चांदनी पटेल के द्वारा किया गया। बच्चों के द्वारा प्रभातफेरी के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं विभिन्न क्षेत्र में गांव के विकास हेतु योगदान देने वाले उत्कृष्ट नागरिकों एवं शिक्षकों का सम्मान साल , श्रीफल एवं मोमेंटो द्वारा किया गया ।इस दौरान सेवानिवृत्ति शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया ।मुख्य रूप से राजेश प्रधान , प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक शाला रेमड़ा को रेमड़ा रत्न के नाम से सम्मानित किया गया। साथ ही विष्णुचरण पटेल प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक शाला टांड़ापारा रेमड़ा को कुल गुरु सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति शिक्षकों में वृंदावन सतपथी, टीकेलाल बेहरा, शौकीलाल साहू, उज्जवल सिंह बरीहा , भृत्य दुखी लाल भोई ,वर्तमान में शिक्षक हेमसागर बगर्ती ,शिक्षक सुभाष चंद्र धराई को रेमड़ा के गौरव के रूप में विशेष सम्मान ग्राम वासियों द्वारा मोमेंटो ,साल, श्रीफल द्वारा सम्मानित किया गया । ग्रामीणों में से स्वर्गीय प्यारेलाल पटेल , स्वर्गीय गणेश राम परमार, स्वर्गीय मानसिंह परमार स्वर्गीय रामसिंह दाऊ आदि के परिवार जनों सहित अन्य 20 उत्कृष्ट नागरिकों को गांव के गौरव के रूप में सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच प्रतिनिधि सोहनलाल पटेल , अर्चना साखरे, छांदनपुर से कार्तिक राम पटेल , बामड़ाडीह से रमेश बगर्ती , भजोराम पटेल एवं आसपास गांव से बड़ी संख्या में ग्रामीण पधारे हुए थे। स्वतंत्रता दिवस समारोह विद्यालय प्रांगण में धूमधाम से आजादी के सालगिराह के रूप में मनाया गया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में लखन परमार , एसएमडीसी के अध्यक्ष झाड़ूराम परमार , गजानन यादव ,आसाराम पाढ़ीया का विशेष योगदान रहा।

अहिवारा नगर में छत्तीसगढ़िया रंग में रंगा स्वतंत्रता दिवस, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने किया ध्वजारोहण

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। अहिवारा नगर में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के सेनानियों ने पूरे जोश और सम्मान के साथ ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान और राजगीत की मधुर धुनों के बीच देश और छत्तीसगढ़ राज्य की उन्नति की कामना की गई।

इस मौके पर जिला और नगर पदाधिकारियों के साथ-साथ नगर के सेनानी और बड़ी संख्या में आम जनता शामिल रही। कार्यक्रम में कौशल साहू, धर्मेंद्र साहू, प्रकाश, मुकेश साहू, आशुतोष साहू, कमलेश मारकंडे, माधव साहू, परमेश्वर ठाकुर, आजाद शिवारे, घनश्याम साहू, वैभव पटेल, हितेश यादव, छोटू यादव, विजय लहरे, योगेश वर्मा, हितेश पटेल, बसंत साहू, कैलाश साहू, हुमन ठाकुर सहित कई अन्य सेनानी मौजूद रहे।

देशभक्ति के नारों भारत माता की जय और छत्तीसगढ़ महतारी की जय से पूरा नगर गूंज उठा। यह आयोजन न सिर्फ स्वतंत्रता दिवस का सम्मान था, बल्कि छत्तीसगढ़ी अस्मिता और एकता का भी संदेश लेकर आया।

स्वतंत्रता दिवस एवं प्री-जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य आयोजन

बिर्रा (समय दर्शन)। जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल, बिर्रा में आज स्वतंत्रता दिवस एवं प्री-जन्माष्टमी के संयुक्त आयोजन का भव्य समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री गीता तिवारी (सेवानिवृत्त शिक्षक) द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ किया गया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य, भाषण एवं कविताओं के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

प्री-जन्माष्टमी सेलिब्रेशन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री एस के तिवारी जी (सेवानिवृत्त शिक्षक) द्वारा पूजा अर्चना कर किया गया, जिसके तहत भगवान श्रीकृष्ण की झांकियाँ, मटकी फोड़ प्रतियोगिता, भजन-कीर्तन एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण के रूप में सजे तो वातावरण में धार्मिक और सांस्कृतिक रंग घुल गए।

विद्यालय के प्राचार्य राम मनहर ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में देशप्रेम, सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं मिठाई वितरण के साथ हुआ। जिसमें सभी छात्र /छात्राएं, पालक, शिक्षक, पत्रकार साथी सहित गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

आजादी के पावन पर्व स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मेरे गृह ग्राम पंचायत मरघट्टी के प्राथमिक स्कूल ,हाईस्कूल स्कूल एवं पंचायत भवन प्रांगण में ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दिये

तुला राम सहीस स्वतंत्र पत्रकार छत्तीसगढ़/ सक्ति/ नवीन जिला सक्ति, मालखरौदा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत मरघट्टी में इस अवसर पर ग्राम पंचायत मरघट्टी के सरपंच कन्हैया लाल चौहान,एवं सचिव महेंद्र सिंह चंद्रा,उप सरपंच पंच गण,स्कूल के शिक्षक गण,छात्र-छात्रायें सहित गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। और हसौद ब्लॉक के कांग्रेस कामेटी के अध्यक्ष नेता कुशल कश्यप जी शामिल रहे और पूर्व उपाध्यक्ष जनपद पंचायत मालखरौदा लम्बोदर चंद्रा जी शामिल रहे

ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान गाया गया तथा उपस्थित जनसमुदाय ने देशभक्ति के रंग में रंगकर आज़ादी के महानायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सरपंच ने अपने संबोधन में देश की स्वतंत्रता में ग्रामवासियों की भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज़ादी की रक्षा के लिए प्रत्येक नागरिक को सजग और उत्तरदायी बनना होगा।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक और छात्रों द्वारा प्रभात फेरी निकालकर देशभक्ति गीत, नृत्य, कविता और भाषण की सुंदर प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें देखकर उपस्थितजन भावविभोर हो उठे। स्वतंत्रता का मूल्य विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत विचार रखे ।ग्रामवासियों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विद्यालय एवं पंचायत समिति के सहयोग की सराहना की। तुला राम सहीस स्वतंत्र पत्रकार छत्तीसगढ़ वन्दे मातरम जय हिन्द जय भारत

विधायक ने 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ नगर पंचायत एवं विधायक कार्यालय में फहराया तिरंगा, प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

बसना (समय दर्शन) । देशभर में आज 79वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इसी क्रम में बसना नगर में भी स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व गरिमामय वातावरण में मनाया गया। नगर पंचायत बसना और विधायक कार्यालय में आयोजित समारोहों में क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को नमन किया।

बसना विधायक कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने तिरंगा फहराया और उपस्थित जनसमूह ने राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इसके पश्चात नगर पंचायत बसना में भी ध्वजारोहण किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में नागरिक, अधिकारी, कर्मचारी और गणमान्यजन उपस्थित थे।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने अपने संबोधन में प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन अवसर हमें हमारे अमर स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने मातृभूमि की आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। आज हम जिस स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, वह उन्हीं वीरों की अमूल्य देन है।

इस शुभ अवसर पर स्वच्छता अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाली स्वच्छता बहिनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने स्वच्छता बहिनों को सम्मानित करते हुए उनके कार्य को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह जन-जीवन की गुणवत्ता से जुड़ा एक महत्वपूर्ण संकल्प है, जिसमें इन बहिनों की भूमिका अत्यंत सराहनीय है।

इस अवसर पर नगर के विकास को नई दिशा देने हेतु 5 लाख की लागत से प्रस्तावित पालना घर निर्माण कार्य का शिलान्यास भी विधायक डॉ. अग्रवाल के कर कमलों से संपन्न हुआ। पालना घर की स्थापना से नगर में कार्यरत माताओं को एक सुरक्षित और सुविधाजनक व्यवस्था प्राप्त होगी, जिससे उनकी कार्यक्षमता और सामाजिक सुरक्षा दोनों में वृद्धि होगी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, विधानसभा संयोजक एन. के. अग्रवाल,नगर पंचायत अध्यक्ष खुशबू अग्रवाल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष शीत गुप्ता,सीएमओ सूरज सिदार,थाना प्रभारी नरेन्द्र राठौर,सेवकदास दीवान, पार्षद डेनियल पीटर,पार्षद आशीष साहू,पार्षद वीणा निर्मल दास,पार्षद मुजम्मिल कादरी,पार्षद संगीता नायक,पार्षद महेंद्र सिंह,पूर्व सांसद प्रतिनिधि कामेश बंजारा,पार्षद राकेश डड़सेना,गौतम धृतलहरे, अभिमन्यु जायसवाल, जनपद सभापति जन्मजय साव,महामंत्री दीपक शर्मा,भाजपा कार्यकर्ता सहित भारी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

छुईखदान जनपद पंचायत में भ्रष्टाचार पर सियासी साये का खेल

राजनांदगांव। खैरागढ़ जिले के छुईखदान जनपद पंचायत में भ्रष्टाचार का मामला अब प्रशासनिक दायरे से निकलकर राजनीतिक गलियारों में गूंजने लगा है। लाखों-करोड़ों की शासकीय राशि के गबन, निर्माण कार्यों में फर्जीवाड़ा और अनियमितताओं के आरोपों में घिरे जनपद सीईओ और तकनीकी अमले को बचाने के लिए सत्ता-संरक्षित गठजोड़ सक्रिय हो चुका है। 15वें वित्त आयोग की राशि में गबन और शासकीय निधि की बंदरबांट की शिकायतों पर बनी जांच समिति ने आरोप सही पाए। दो दर्जन से अधिक अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। रिपोर्ट में तकनीकी अमले, सचिवों और विभागीय जिम्मेदारों की मिलीभगत उजागर हुई है। सूत्रों का कहना है कि सचिव संघ के एक पदाधिकारी ने भ्रष्टाचार में घिरे सीईओ की मुलाकात भाजपा के एक वरिष्ठ नेता से करवाई। रात में हुई इस बैठक में जनपद के दो पदाधिकारी भी मौजूद थेए जहां मामले को ठंडे बस्ते में डालने पर चर्चा हुई। निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को ज्ञापन सौंपकर जनपद सीईओ पर वित्तीय गड़बड़ी और कर्तव्यहीनता के आरोप लगाए। ज्ञापन में जिला सीईओ प्रेम कुमार पटेल पर भ्रष्टाचारियों को बचाने का आरोप है। छुईखदान सरपंच संघ ने भी नाराजगी जताते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। सरपंचों का कहना है कि सीईओ के दफ्तर से नदारद रहने के कारण पंचायतों के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस पर प्रशासन ने प्रकाश ताराम को नया सीईओ नियुक्त किया, जिससे सरपंचों ने संतोष व्यक्त किया। जिला पंचायत सीईओ ने जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने से इंकार किया है। ग्रामीण विकास मंत्री पहले ही विधानसभा में स्थानीय विधायक के सवाल के जवाब में भ्रष्टाचार की पुष्टि कर चुके हैं, ऐसे में रिपोर्ट छुपाना जनभावना के विपरीत माना जा रहा है। पंचायत विभाग के उपसंचालक गीत राम सिन्हा पर भी कार्रवाई से बचने का आरोप लगा है। वहीं सचिव संघ के नेता पर ग्राम पंचायत एनओसी के नाम पर औद्योगिक इकाई से वसूली करने के आरोप हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि प्रशासन, राजनीति और अधिकारियों की मिलीभगत का मामला है। अब वे सिर्फ कार्रवाई नहींए नतीजे चाहते हैं।

भाजपा के पुरोधा पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेई का पाटन में पुण्य तिथि मनाई

पाटन (समय दर्शन)। पर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य तिथि आज नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के निवास स्थित कार्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर श्री अटल जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, उपाध्यक्ष निशा सोनी, मंडल अध्यक्ष रानी बंछोर, केशव बंछोर, पार्षद केवल देवांगन, नेहा बाबा वर्मा, दामोदर चक्रधारी, हर्ष भाले, नील कंठ देवांगन, संगीता धुरंधर, देवेंद्र ठाकुर, जितेंद्र निर्मलकर, चंद्र प्रकाश देवांगन, सागर सोनी, विजय कांत बंछोर, आदित्य सावर्णी, योगेश सोनी, बाबा वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, JUMMAN KHAN S/O RAMJAN KHAN resident of WARD NO.7, EKTA NAGAR BHILAI 3, Dist-Durg(C.G.) 490021,have changed my old name JUMMAN S/O RAMJAN KHAN To JUMMAN KHAN S/O RAMJAN KHAN so in future I should be recognized by my new name that is JUMMAN KHAN S/O RAMJAN KHAN in all Government and other documents.

JUMMAN KHAN S/O RAMJAN KHAN resident of WARD NO.7, EKTA NAGAR BHILAI 3, Dist-Durg(C.G.) 490021

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता अटल बिहारी वाजपेयी के पुण्यतिथि पर भाजपा जनों ने किया उन्हें नमन

दुर्ग।(समय दर्शन)। राजनीति के अजातशत्रु अटल बिहारी वाजपेयी के बताए हुए मार्ग को आत्मसात कर अपने जीवन को सार्थक बनाएं - सुरेंद्र कौशिक

छत्तीसगढ़ के राज्य निर्माता, महान कवि, लेखक, राजनीति के अजातशत्रु, भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के अवसर पर दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर भाजपा जनों ने उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता शिव चंद्राकर, प्रितपाल बेल चंदन उपस्थित रहे 7 इस अवसर पर उपस्थित भाजपा जनों ने अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं तिलक कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की 7

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने संबोधित करते हुए कहा की भारत रत्न, छत्तीसगढ़ के राज्य निर्माता, पूर्व प्रधानमंत्री जिनके प्रत्येक भाषण में कविताओं के माध्यम से जीवन का सार झलकता है अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के एक ऐसे भीष्म-पितामह माने जाते हैं जो आम जनता में बहुत लोकप्रिय और अजात शत्रु यानि उनका कोई भी दुश्मन नहीं था और विपक्ष भी उनका सम्मान करता था। वे जितने अच्छे राजनेता थे, उतने ही उत्कृष्ट कवि, लेखक और विचारक भी थे। अपने लंबे राजनीतिक करियर में उन्होंने 3 बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में सेवा की उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन काल में कभी भी किसी प्रकार से देश के हित के लिए कोई समझौता नहीं किया ऐसे महान शख्सियत जिन्होंने अपने राष्ट्रवादी विचारधारा की महान विरासत हम सभी को दी है उसे राष्ट्रवादी विचारधारा को हम अपने जीवन में आत्मसात कर मां भारती के परम से कर वैभव को और आगे बढ़े और अपना जीवन भी सफल बनाएं मैं उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन करता हूं 7 दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने संबोधित करते हुए कहा कि सदैव से हम सभी महान कवि लेखक और राजनीति के अजातशत्रु जिनके राजनीतिक जीवन काल में कोई शत्रु नहीं रहा वे जब सदन पर अपना भाषण देते थे तो पूरा पक्ष के संसद विपक्ष भी उनकी बातों को बड़े गौर से सुनता था क्योंकि उनके जी भाषण पर राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ-साथ देश के हित को लेकर बातें रहती थी उन्होंने अपने प्रधानमंत्री के कार्यकाल में कई ऐसे ऐतिहासिक कार्य किया जो आज भी हम सभी को याद है ।

आयोजित कार्यक्रम का संचालन जिला कार्यालय मंत्री मनोज सोनी किया और आभार महिला मोर्चा के जिला महामंत्री गायत्री वर्मा ने किया आयोजित कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष विनायक नातू, मंत्री आशीष निंमजे, सह कोषाध्यक्ष नीलेश अग्रवाल, कार्यालय मंत्री मनोज सोनी, सह कार्यालय मंत्री अनूप सोनी, प्रवक्ता दिनेश देवांगन मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, सोशल मीडिया प्रभारी रजनीश श्रीवास्तव, मंडल भाजपा अध्यक्ष कमलेश फेकर, कौशल साहू, महेंद्र लोढ़ा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष दिव्या कलिहारी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष साजन जोसेफ वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष सोनी शिवेंद्र परिहार चंपा सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे

एनएमडीसी, बचेली ने राष्ट्रीय पर्व 'स्वतंत्रता दिवस' का हर्षोउल्लास से किया आयोजन

दंतेवाड़ा एनएमडीसी, बचेली ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डी ए वी स्कूल के प्रांगण में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूम-धाम से मनाया। जिसके मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली, मुख्य महाप्रबंधक, एनएमडीसी बचेली थे। उनके अतिरिक्त जी घोरई, महाप्रबंधक (यांत्रिकी), महेश एस नायर, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), जे सी दास, महाप्रबंधक (यांत्रिकी), अजय द्विवेदी, महाप्रबंधक (वित्त), धरमराज, महाप्रबंधक (खनन), सीआईएसएफ सीनियर कमांडेंट आशीष कुमार, के पी बनसोड, उप महाप्रबंधक (सिविल), सौरभ कुमार, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एवं बीआईओएम, बचेली कॉम्प्लेक्स के विभिन्न विभागाध्यक्षगण तथा श्रमिक संघों के पदाधिकारीगण इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई अपने उद्बोधन में दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली, मुख्य महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता के महत्व को रेखांकित करते हुए वीर बलिदानियों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने एनएमडीसी बचेली की श्रेष्ठ उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला और सीएसआर के अंतर्गत किए जा रहे विभिन्न कार्यों का उल्लेख किया।

कार्यक्रम की आगे की कड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें बचेली परियोजना स्थित विद्यालयों के बच्चों, तेजस्विनी महिला समिति द्वारा संचालित प्रौढ़ शिक्षा के सदस्यों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। तत्पश्चात पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया जिसमें नेहरू श्रम पुरस्कार (2024-25), श्रेष्ठ श्रमिक पुरस्कार (2024-2025), सर्वश्रेष्ठ सीआईएसएफ कर्मी पुरस्कार (2024-2025), मेधावी छात्र पुरस्कार इत्यादि प्रदान किए गए। कार्यक्रम में सम्मिलित हुए स्कूली बच्चे, सभी शिक्षकगण, आये हुए अतिथिगण व नगरवासियों नें अत्यंत उत्साह पूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया।

एनएमडीसी किरंदुल में 79वां स्वतंत्रता दिवस: ध्वजारोहण और परेड के साथ उत्साहपूर्ण आयोजन

किरंदुल-लौहनगरी में एनएमडीसी ने मनाया स्वतंत्रता दिवस, कर्मचारियों को मिली बधाई

रविंद्र नारायण ने की एनएमडीसी की उपलब्धियों की सराहना, स्वतंत्रता दिवस समारोह में बांटे उत्साह के रंग

दंतेवाड़ा किरंदुल, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) की किरंदुल-लौहनगरी परियोजना में शुक्रवार, 15 अगस्त 2025 को सुबह 9:00 बजे देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। स्थानीय फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित भव्य समारोह में परियोजना के अधिशासी निदेशक रविंद्र नारायण और वरिष्ठ कर्मचारी तुलसीराम नेम ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई और उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं व स्थानीय नागरिकों ने एक स्वर में राष्ट्रगान गाया।

मुख्य अतिथि रविंद्र नारायण ने परेड का निरीक्षण किया और अपने संबोधन में स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, एनएमडीसी ने देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हमने उत्पादन और प्रेषण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिसके लिए मैं सभी कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कर्मचारियों से भविष्य में भी उत्कृष्टता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन) के.एल. नागवेणी, महाप्रबंधक (विद्युत) एम. सुब्रमण्यम, इंटक सचिव ए.के. सिंह, अध्यक्ष विनोद कश्यप, राजेंद्र यादव, एसकेएमएस अध्यक्ष देवरायलु, सचिव राजेश संधू, सीआईएसएफ कमांडेंट, छात्र-छात्राएं और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन व्यवस्थित और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

सरकार की नाकामियों से जनता ध्यान भटकाने राजनीतिक पर्यटन पर विदेश जा रहे हैं मुख्यमंत्री

नया निवेश तो दूर पहले से संचालित कारखानों का चल पाना हो रहा मुश्किल, बंद हो रहे हैं उद्योग

रायपुर/समय दर्शन। मुख्यमंत्री के विदेश प्रवास पर तंज कसते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि मंत्रिमंडल में विस्तार कर नहीं पा रहे हैं, संगठन विस्तार में सिर फुटौव्वल मची है, पूर्णकालिक मुख्यमंत्री और डीजीपी बना नहीं पाए, विकास कार्य अवरुद्ध है, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार दे नहीं पा रहे, सड़के और शासकीय भवन रखरखाव के अभाव में जर्जर हो रहे हैं, शासन व्यवस्था दुरुस्त करने में सरकार असहाय नज़र आ रही है, इन्हीं नाकामियों को छुपाने और मुद्दों से ध्यान भटकने के लिए मुख्यमंत्री राजनीतिक प्रवास पर विदेश यात्रा करने निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार विगत पौने दो साल में छत्तीसगढ़ में उद्योगों के अनुकूल वातावरण बनाने में पूरी तरह नाकाम रही है। छत्तीसगढ़ स्टील उत्पादन में अग्रणी राज्य है, भाजपा की सरकार बनने के बाद से लगातार बिजली के दाम बढ़ाए गए जिसके चलते लौह उत्पादक हमारे प्रतिद्वंद्वी राज्यों उड़ीसा और झारखंड की तुलना में औद्योगिक बिजली दर डेढ़ गुना अधिक हो गया है, छत्तीसगढ़ में उत्पादन लागत बढ़ने के कारण सैकड़ो स्पंज आयरन और रोलिंग मिलें लगातार बंद हो रहे हैं। कस्टम मिलिंग की दर घटाने से राइस मिल बंद हो रहे हैं। एथेनॉल प्लांट की क्या स्थित है? शा. शक्कर कारखाने बंद होने की कगार पर है। डेनेक्स बॉन्ड और सी मार्ट की स्थिति किसी से छुपी हुई नहीं है। पारंपरिक उद्योगों को चला नहीं पा रहे हैं लेकिन दावे अंतराष्ट्रीय इन्वेस्टर को रिझाने का? उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ओमें रिमोट से संचालित भाजपा सरकार के पास जनता के बुनियादी सवालों का जवाब नहीं है, लगातार नौकरियां घट रही है, महंगाई बढ़ रही है, प्रशासन में सरकार का नियंत्रण खत्म हो रहा है। युक्तियुक्तकरण के नाम पर 10463 स्कूल बंद कर दिए गए, नए सेटअप में शिक्षकों के न्यूनतम पदों की संख्या घटा दी है गई। अस्पतालों में जांच इलाज़ और दवा का अभाव है, बच्चे, गर्भवती और माताओं को मिलने वाली पोषक आहार नहीं दे पा रहे हैं। अब असल मुद्दों से ध्यान भटकने विदेश पर्यटन की योजना बनाया गया है।

शिव वर्मा विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष नियुक्त

राजनांदगांव (समय दर्शन)। विश्व हिंदू परिषद की जिला स्तरीय बैठक में शिव वर्मा को नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में प्रांत मंत्री विभूति भूषण पांडे, प्रांत सह मंत्री नंदूराम साहू, संगठन मंत्री कन्हैया, विभाग मंत्री अनूप श्रीवास और जिला मंत्री त्रिगुण सादानी उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण के अवसर पर पदाधिकारियों ने श्री वर्मा का स्वागत किया और संगठन को सशक्त बनाने के संकल्प के साथ कार्य करने का आह्वान किया। धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में लंबे समय से सक्रिय शिव वर्मा, प्यारे लाल चौक स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव पर वर्षों से भंडारे का आयोजन करते आ रहे हैं। वे हनुमान सेवा समिति के माध्यम से शहर व आसपास के मंदिरों में गदा वितरण कर धार्मिक भावना को प्रोत्साहित करते हैं। नगर अध्यक्ष नियुक्त होने पर मनोज वर्मा, राजेन्द्र राजपूत, नीलेश पटेल, दीपक देवांगन, भीखमचंद सिन्हा, विजय वैष्णव, सोनू परिहार, आशु डाहरिया, शुभम पात्रे, शुभम जंघेल, संतलाल, राजू वर्मा, संदीप वालस्कर, खिलेंद्र मानिकपुरी, विजय वैष्णव महाराज, सूरज डोंगरे, स्वाधीन नायक, रवि ठाकुर, शिवम देवांगन, कुंदन साहू, रविंद्र देवांगन, गिरधारी साहू, राकेश वर्मा, नरोत्तम साहू, दीपक देवांगन, अमित चौहान, दीपक साहू, रमेश साहू, रोशन देवांगन, शौर्य शर्मा, सुनील वर्मा, छोटू मानिकपुरी, करण पाल, धर्मेंद्र यादव सहित हनुमान सेवा समिति के सदस्यों व ईष्ट मित्रों ने बधाई दी।

अखण्ड भारत का संकल्प लिया-रतन यादव

श्री यादव ने भारत विभाजन की विभीषिका और दंश पर किया संबोधित

दुर्ग(समय दर्शन)। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 अगस्त को बजरंग दल द्वारा विभाग संयोजक रवि निगम के नेतृत्व में अखंड भारत संकल्प दिवस मनाया गया और विशाल मशाल रैली शहीद चौक से लेकर पटेल चौक तक निकाला गया जिले भर से आए बजरंगियों ने विशाल रैली के हिस्सा लिया तथा मशाल भगवा झंडा से पूरा वातावरण को भगवमय किया । कार्य क्रम का शुभारंभ भारत माता आरती के बाद हिंदू वक्ता प्रफुल्ल ने अपना उद्बोधन दिया जिसके बाद छत्तीसगढ़ बजरंग दल के प्रांत संयोजक रतन यादव द्वारा द्वारा भारत विभाजन की विभीषिका और दंश पर सभी बजरंगियों को मंच से संबोधित करते हुए कहा गया कि एक ऐसा दिन जो हमें भारत की प्राचीन सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और भौगोलिक एकता की याद दिलाता है। यह केवल एक राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। अखंड भारत का अर्थ है वह भारतवर्ष जो एक समय में अफ़ग़ानिस्तान से लेकर बर्मा तक, और तिब्बत से लेकर श्रीलंका तक फैला हुआ था।

इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि पाकिस्तान का सिंधु क्षेत्र, गांधार और तक्षशिला भारत की वैदिक और बौद्ध परंपराओं का केंद्र था। बांग्लादेश, जिसे प्राचीन काल में वंग और समतट कहा जाता था, चैतन्य महाप्रभु और बंगाली संस्कृति की भूमि रही है। नेपाल और भूटान भारत के हिमालयी क्षेत्र से जुड़े रहे हैं, जहां सनातन धर्म और बौद्ध परंपराएं आज भी जीवित हैं।

श्रीलंका, जिसे रामायण में लंका कहा गया है, भारत के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों से गहराई से जुड़ा है। अफ़ग़ानिस्तान का गांधार क्षेत्र तक्षशिला विश्वविद्यालय और बौद्ध गुफाओं के लिए प्रसिद्ध रहा है। म्यांमार (बर्मा) और तिब्बत भी भारत से बौद्ध धर्म, व्यापार और शिक्षा के माध्यम से जुड़े रहे हैं।

इन सभी क्षेत्रों में भारत की संस्कृति, धर्म, भाषा और ज्ञान का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। मौर्य, गुप्त, कुषाण और गांधार जैसे साम्राज्य इन भूभागों तक फैले थे। नालंदा, विक्रमशिला और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों में इन देशों के छात्र शिक्षा ग्रहण करते थे।

आज जब हम अखंड भारत का संकल्प लेते हैं, तो यह केवल सीमाओं को जोड़ने की बात नहीं है, बल्कि संस्कृति, समरसता और राष्ट्र चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास है। यह संकल्प हमें प्रेरित करता है कि हम अपने इतिहास को जानें, अपनी विरासत को सहेजें और भारत को एक सशक्त, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से जागरूक राष्ट्र बनाएं।

इस ऐतिहासिक राष्ट्रीय कार्य क्रम में मातृशक्ति ज्योति शर्मा दीदी ने भी बड़ी संख्या में अपनी बहनों के साथ उपस्थिति दी गौपुत्र ओमेश बिसेन जी प्रमुख रूप से रायपुर से शामिल हुए अनेक भगवा धारियों के साथ शामिल हुए।संगठन प्रभारी ईश्वर गुप्ता ने अपने जिला एवं विभाग के प्रमुख अधिकारियों इंद्रजीत गोस्वामी, देवाशीष रिशु साहनी घोष, अपूर्व सिंह, ऋषभ जैन, अमित राजपूत, प्रिंस राजपूत के साथ इस कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रमुख रूप से प्रांत अध्यक्ष गौतम जैन,उपाध्यक्ष चंदन राजपूत, सह मंत्री विकाश ठाकुर, हृतिक सोनी, कमल साव, करण सोनी, अनिल बेहरा, अजय सेन, ज्ञान साहू, ऋषि कसर, कौशल यादव, लक्ष्मण यादव हंसराज देशमुख, वनील बेहरा, रसपाल सिंग, लोकेश्वर निषाद, संजय यादव ,तोमन वर्मा, जनार्दन पांडे, दीपक कुलकर्णी, विशाल पांडे, आकाश सेन, रॉकी,कमल निषाद,पुकेश्वर निषाद , सूरज साहू, दादू, चुम्मन गोस्वामी, कृष्णा गोस्वामी, निखिल,, वीरेंद्र पारकर, दूजे पारकर, गोलू, हिमांशु मिश्रा, आदि भारी आख्या में बजरंगी उपस्थित रहे।

हाई स्कूल बेलतरा में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

साजा (समय दर्शन)। हाई स्कूल बेलतरा में स्वतंत्रता दिवस की 79 वीं वर्ष गाठ बड़े ही धूम धाम से मनाई गयी स्कूल में बच्चों के द्वारा प्रभात फेरी निकला गया पंचायत में सर्वप्रथम ध्वजा रोहण सरपंच भारती मुकेश टंडन के द्वारा किया गया, पश्चात हॉस्पिटल में स्वह अनूप गौतम के द्वारा ध्वजा रोहन किया गया, ग्राम सोसायटी में अध्यक्ष नेतराम साहू जी के द्वारा धवजा रोहन किया गया उसके पश्चात् हाई स्कूल बेलतरा में प्रचार्य राकेश कुमार मिश्रा के द्वारा ध्वजा रोहन किया गया जिसमें शाला के समिति के अध्यक्ष श्री योगी साहू, विधायक प्रतिनिधि श्री गोवर्धन साहू पीलूराम साहू, छत्रपाल साहू, मीना साहू, माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक मनोज वर्मा दिनेश साहू मोहित साहू उपस्थिति रहें बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया सभी प्रतिभावान बच्चों को पुरुषकृत किया गया कार्यक्रम का संचालन हाई स्कूल व्यख्याता बलराम ठाकुर द्वारा किया गया।

संकलनकर्ता :- सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, ब्यूरो प्रमुख, समय दर्शन कवर्धा, मो. 9406068668, 9301299133

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित।
संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samay.darshan191@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27